हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो!

जब प्रभु यीशु मसीह ने अपनी सेवा आरम्भ की, तब उन्होंने अकेले ही कार्य शुरू किया। परन्तु अपनी सेवा के बीच में, जैसा कि हम सब जानते हैं, उन्होंने चेलों को बुलाया ताकि उनके स्वर्गारोहण के बाद वही उनके कार्य को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने देखा कि फ़सल तो बहुत है, पर मजदूर थोड़े हैं; इसलिए उन्हें एक बड़ी सेना की आवश्यकता थी।

इसलिए यीशु ने बहुत से चेलों को बुलाया। उनका सही संख्या हमें ज्ञात नहीं, पर वे बहुत थे। उन्हीं में से उन्होंने बारह प्रेरितों को चुना ताकि उन्हें विशेष शिक्षा दी जा सके। कुछ बातें प्रभु ने केवल उन बारह को बताईं, जो अन्य चेलों को नहीं बताई गईं।

फिर एक समय ऐसा आया जब प्रभु ने उन बारह प्रेरितों को सेवा के “प्रशिक्षण” पर भेजा, जैसे आज विद्यार्थी अपने “फील्ड ट्रेनिंग” पर जाते हैं। उन्होंने उन्हें आज्ञा दी कि वे जहाँ जाएँ, वहाँ दुष्टात्माओं को निकालें, बीमारों को चंगा करें, और परमेश्वर के राज्य का प्रचार करें।

परन्तु यह भी पर्याप्त नहीं था। इसलिए प्रभु ने सत्तर अन्य चेलों को भी नियुक्त किया और उन्हें भी भेजा कि वे वही कार्य

हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

करें जो बारह प्रेरित कर रहे थे।

लूका 10:1–2 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)
“इसके बाद प्रभु ने और सत्तर जन ठहराए, और उन्हें दो दो करके अपने आगे हर एक नगर और स्थान में भेजा, जहाँ वह आप जानेवाला
था।
उसने उनसे कहा, ‘कटनी तो बहुत है, पर मजदूर थोड़े हैं; इसलिये कटनी के स्वामी से बिनती करो कि वह अपनी कटनी के लिये मजदूरों को भेजे।’”

अब उस वचन को ध्यान से देखो — “जहाँ वह आप जानेवाला था।”

कई ऐसे स्थान हैं जहाँ मसीह स्वयं जाना चाहता है, पर वह हमें अपने प्रतिनिधि के रूप में भेजता है। इसका अर्थ है कि हम वहाँ नहीं जाते जहाँ हम स्वयं जाना चाहते हैं, बल्कि वहाँ जाते हैं जहाँ वह स्वयं जाना चाहता है। इसका मतलब है कि हम किसी और की योजना को पूरी करने जा रहे हैं — अपनी नहीं। हम केवल प्रतिनिधि हैं।

उदाहरण के लिए, यदि किसी देश का राष्ट्रपति किसी व्यक्ति को अपने स्थान पर किसी अन्य राष्ट्र की सभा या उत्सव में भेजे, तो वह व्यक्ति केवल संदेशवाहक है। वह अपने विचारों से कुछ जोड़ता

हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

या घटाता नहीं, बल्कि वही बात पहुँचाता है जो उसे अपने राष्ट्राध्यक्ष से मिली है।

इसी प्रकार जब हम मसीही हैं, तो हम यीशु मसीह के प्रतिनिधि हैं जहाँ भी हमें भेजा जाता है। सुसमाचार हमारा नहीं है; इसलिए हमें वही कहना चाहिए जो वह चाहता है कि हम कहें। हमें उसके उद्देश्यों को पूरा करना है और वही कार्य करना है जो वह स्वयं वहाँ होता तो करता।

पर जब हम मसीही कहलाते हैं, पर वही नहीं करते जो वह चाहता है, तो इसका अर्थ है कि हम अवज्ञाकारी हैं। जो व्यक्ति उस कार्य को सही ढंग से नहीं करता जिसके लिये उसे भेजा गया है, वह अपने भेजनेवाले का शत्रु बन जाता है।

यदि तुम ऐसा सुसमाचार प्रचार करते हो जिसे यीशु मसीह ने नहीं सिखाया, तो तुम आशीर्वाद नहीं बल्कि शाप मोल लेते हो। बाइबल कहती है:

गलातियों 1:6–9 (Pavitra Bible: Hindi O.V.)
“मैं अचम्भित हूँ कि तुम मसीह के अनुग्रह से बुलानेवाले को इतनी शीघ्र छोड़कर दूसरे सुसमाचार की ओर फिर रहे हो।
वह कोई दूसरा सुसमाचार नहीं है; पर कुछ ऐसे हैं जो तुम्हें

हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

उलझाते हैं और मसीह के सुसमाचार को बिगाड़ना चाहते हैं।
पर यदि हम या स्वर्ग से कोई स्वर्गदूत भी तुमको उस सुसमाचार
से भिन्न कोई सुसमाचार सुनाए जो हमने तुम्हें सुनाया है, तो
वह शापित हो!
जैसा कि हमने पहले कहा है, अब फिर कहता हूँ, यदि कोई तुम्हें
उस सुसमाचार से भिन्न कोई सुसमाचार सुनाए जो तुमने ग्रहण किया है, तो वह शापित हो!”

प्रभु यीशु ने पश्चाताप और बपतिस्मा का प्रचार किया, पर तुम कहते हो कि यह आवश्यक नहीं है — इस प्रकार तुम अपने ऊपर शाप लाते हो। प्रभु यीशु ने सिखाया कि दुष्ट से मत लड़ो, पर उनके लिये प्रार्थना करो जो तुम्हें सताते हैं, और अपने शत्रुओं से प्रेम करो; पर तुम सिखाते हो कि अपने शत्रु को शाप दो और उससे बैर रखो।

यीशु ने कहा कि जागते रहो और आत्मा में प्रार्थना करो, जैसे वे लोग जो अपने स्वामी की प्रतीक्षा करते हैं; पर तुम लोगों को संसार की बातों में और अधिक डुबो रहे हो।

यीशु ने कहा कि जो कोई अपनी पत्नी को छोड़कर दूसरी स्त्री से विवाह करता है, वह व्यभिचार करता है; पर तुम उन लोगों की शादियाँ करा रहे हो जिन्होंने अपने जीवनसाथी को छोड़ दिया है। यीशु ने सिखाया कि पैर धोना विनम्रता और सेवा का प्रतीक है, जिसे हर

हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

विश्वासी को अपनाना चाहिए, पर तुम कहते हो कि यह तो केवल एक आत्मिक दृष्टान्त था।

अब सोचो — यदि मसीह आज यहाँ होते, तो क्या वह वही बातें सिखाते जो तुम सिखा रहे हो? क्या वह उन लोगों को सहते जो अपनी पत्नियों या पतियों को छोड़ देते हैं? क्या वह वे मज़ाक करते जो आज वेदी पर किये जाते हैं? क्या वह लोगों को केवल गाड़ियों, घरों और भौतिक आशीषों के लिये बुलाते, जब वे पाप और व्यभिचार में डूबे हैं?

क्या तुम मसीह के सच्चे प्रतिनिधि हो?

प्रभु हमारी सहायता करे कि हम प्रतिदिन उसके कार्य में सच्चे, विश्वासयोग्य और पवित्र प्रतिनिधि बनें।

प्रभु तुम्हें आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp